

**ArRahmah Islamic Institute**

***ILM-UL-YAQEEN 2018***

***JUZ 1-Part 1***

|  |
| --- |
| **TEST DUE DATE:- 23rd June 2018** |

***Instructions:-***

1. Please **DO NOT DISCUSS** the test at all, with anyone whosoever, in the class until she has already attempted it.
2. Attempt the test very neatly.
3. Once you open the test, you are not allowed to open any Quran or notes.
4. You are required to complete the test in one sitting.

***Directions:-***

1. Print out a hard copy of **PDF** test.
2. Fill out the answers in the time frame designated on the test itself.
3. Please write your answer with blue pen. No red ink allowed.
4. Please write word to word meaning under each word. **DO NOT** write running meaning of the whole ayah.
5. Please revise the test before emailing it.
6. All Students please email attempted test to your Group Leaders.

**پارہ 1 ؛ پارٹ 1**

|  |
| --- |
| **23rd June 2018 :ٹیسٹ دینے کی آخری تاریخ** |

**-:ہدایات**

 .برائے مہربانی اپنے ٹیسٹ کے بارے میں کسی سے بات نہ کریں، جب تک وہ اپنا ٹیسٹ نہ دے دیں

.خوشخطی صاف ہونی ضروری ہے

ایک دفعہ جب آپ نے ٹیسٹ کھول لیا پھرآپ کوئی بھی قرآن اور دوسرے کوئی نوٹس

.نہیں کھول سکتے ہیں

.آپ کو ٹیسٹ کھولنے کے بعد،ٹیسٹ ایک دفعہ ہی بیٹھ کے دینا ہو گا

.ٹیسٹ کی کاپی نکل لیں

.اپنے جوابات کو خالی خانوں میں لکھیں

.برائے مہربانی اپنے جوابات دینے کے لئے نیلے قلم کا استمعال کریں لال قلم نہیں استمعال کرسکتے

.برائے مہربانی لفظی ترجمہ لکھنے کے لئے صحیح لفظ کے نیچے لکھیے

.ای میل کرنے سے پہلے اپنا ٹیسٹ ایک بار ضررو پڑھ لیجیے گا

.برائے مہربانی ٹیسٹ دینے کے بعد سب کو اپنا ٹیسٹ اپنے گروپ لیڈر کو ای میل کرنا ہے



**ArRahmah Islamic Institute**

***ILM-UL-YAQEEN 2018***

**Juz 1- Part 1**

Full Name : Date:

 تاریخ : پورا نام:

Country/State Group Incharge:

 گروپ انچا رج :ملک/اسٹیٹ

**Write word to word meaning Only of following Ayahs:**

**:مندرجہ ذیل آیات کا لفظی ترجمہ کریں**

1:3 ٱلۡحَمۡدُ لِلَّهِ رَبِّ ٱلۡعَٰلَمِينَ 1:2 ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |

مَٰلِكِ يَوۡمِ ٱلدِّينِ 1:4 إِيَّاكَ نَعۡبُدُ وَإِيَّاكَ نَسۡتَعِينُ 1:5

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |   |

ٱهۡدِنَا ٱلصِّرَٰطَ ٱلۡمُسۡتَقِيمَ 1:6 صِرَٰطَ ٱلَّذِينَ أَنۡعَمۡتَ

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |

عَلَيۡهِمۡ غَيۡرِ ٱلۡمَغۡضُوبِ عَلَيۡهِمۡ وَلَا ٱلضَّآلِّينَ 1:7

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |

 ۖ كَيْفَ تَكْفُرُونَ بِاللَّـهِ وَكُنتُمْ أَمْوَاتًا فَأَحْيَاكُم

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |

ثُمَّ يُمِيتُكُمۡ ثُمَّ يُحۡيِيكُمۡ ثُمَّ إِلَيۡهِ تُرۡجَعُون2:28َ

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |   |

 هُوَ ٱلَّذِي خَلَقَ لَكُم مَّا فِي ٱلۡأَرۡضِ جَمِيعٗا

|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |   |   |

 ثُمَّ ٱسۡتَوَىٰٓ إِلَى ٱلسَّمَآءِ فَسَوَّىٰهُنَّ سَبۡعَ سَمَٰوَٰتٖۚ

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |   |

وَهُوَ بِكُلِّ شَيۡءٍ عَلِيمٞ 2:29 وَإِذۡ قَالَ رَبُّكَ

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |   |

 لِلۡمَلَٰٓئِكَةِ إِنِّي جَاعِلٞ فِي ٱلۡأَرۡضِ خَلِيفَةٗۖ قَالُوٓا

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |   |

أَتَجۡعَلُ فِيهَا مَن يُفۡسِدُ فِيهَا وَيَسۡفِكُ ٱلدِّمَآءَ

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |   |

وَنَحۡنُ نُسَبِّحُ بِحَمۡدِكَ وَنُقَدِّسُ لَكَۖ قَالَ إِنِّيٓ

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |   |

 أَعۡلَمُ مَا لَا تَعۡلَمُونَ 2:30 وَعَلَّمَ ءَادَمَ ٱلۡأَسۡمَآءَ

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |   |

كُلَّهَا ثُمَّ عَرَضَهُمۡ عَلَى ٱلۡمَلَٰٓئِكَةِ فَقَالَ أَنۢبِ‍ُٔونِي

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |   |

بِأَسۡمَآءِ هَٰٓؤُلَآءِ إِن كُنتُمۡ صَٰدِقِينَ 2:31 قَالُواْ

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |

سُبۡحَٰنَكَ لَا عِلۡمَ لَنَآ إِلَّا مَا عَلَّمۡتَنَآۖ إِنَّكَ

|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |   |   |

 أَنتَ ٱلۡعَلِيمُ ٱلۡحَكِيمُ 2:32 قَالَ يَا آدَمُ أَنبِئْهُم

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |

 بِأَسۡمَآئِهِمۡۖ فَلَمَّآ أَنۢبَأَهُم بِأَسۡمَآئِهِمۡ قَالَ أَلَمۡ أَقُل

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |   |

 لَّكُمۡ إِنِّيٓ أَعۡلَمُ غَيۡبَ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلۡأَرۡضِ

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |  |

 وَأَعۡلَمُ مَا تُبۡدُونَ وَمَا كُنتُمۡ تَكۡتُمُونَ2:33

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|   |   |   |   |   |   |

 Write the meanings of following words:

:مندرجہ ذیل الفاظ کا لفظی ترجمہ کریں

 رَغَدًا ٱهۡبِطُواْ مَوۡعِظَةٗ ٱلۡحَرۡثَ رَفَعۡنَا

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |